जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

10 मार्च, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

बिजनेस वर्ल्ड द्वारा 2025 की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची में जामिया की प्रोफेसर मिनी थॉमस शामिल https://lnkd.in/gSgRb4hE

प्रमुख बिजनेस पत्रिका 'बिजनेस वर्ल्ड' ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 पर 2025 की 100 सबसे प्रभावशाली महिलाओं की सूची जारी की है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन प्रोफेसर मिनी शाजी थॉमस को अनेक महिला उद्योग जगत की नेताओं के साथ 'द चैंपियंस' में सूचीबद्ध किया गया है। इस सूची में 7 श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें 'द टाइटन्स' से शुरुआत होती है जिसमें महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अन्य प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट नेता, नीति निर्माता और सामाजिक प्रभावकार शामिल हैं जो इस वर्ष तकनीक, हेल्थकेयर, एफएमसीजी, ब्यूटी एंड पर्सनल केयर और बीएसएफआई जैसे क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीडब्ल्यू मोस्ट इन्फ्लुएंशियल वूमेन 2025 इन महिला नेताओं को दर्शाता है, जिनके विगत एक वर्ष के कार्य ने न केवल उनके व्यवसायों और उनके कार्य में अपितु उद्योग और भारतीय अर्थव्यवस्था में भी बदलाव लाया है।

डॉ. (श्रीमती) मिनी शाजी थॉमस जो सूची में 'द चैंपियंस' में शामिल हैं वह वर्तमान समय में इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय की डीन और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विद्युत इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं, और 2016-2021 तक राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, तिरुचिरापल्ली (एनआईटी, त्रिची) की निदेशक रही हैं । इंजीनियरिंग की डीन के रूप में, उन्होंने एनईपी 2020 के अनुसार माइनर्स और ऑनर्स के साथ स्नातक और स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को नया रूप दिया है और 2024 में उभरते क्षेत्रों में 3 नए बीटेक और 2 एमटेक कार्यक्रम शुरू किए हैं।

डॉ. थॉमस सेंटर फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, जामिया मिल्लिया इस्लामिया की संस्थापक निदेशक रही हैं और 2008-2014 तक जामिया मिल्लिया इस्लामिया के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और 2005-2008 तक विद्युत इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष रही हैं । उन्होंने केरल विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि (स्वर्ण पदक विजेता) प्राप्त की, आई आई टी मद्रास से एम टेक (स्वर्ण पदक विजेता, सीमेंस पुरस्कार) की उपाधि और आई आई टी दिल्ली, भारत से विद्युत इंजीनियरिंग में पीएचडी पूरी की। डॉ. थॉमस को आई आई टी मद्रास का प्रतिष्ठित विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार (डी ए ए) 2022 मिला है ।

एनआईटी त्रिची में डॉ. थॉमस और उनकी टीम ने संस्थान के लिए रणनीतिक योजना विकसित की जिसने उनके कार्यकाल के दौरान एनआईआरएफ इंडिया रैंकिंग में संस्थान को 'इंजीनियरिंग' में 12वें से 8वें स्थान पर और 'समग्र' स्थिति में 34वें से 24वें स्थान पर पहुंचा दिया। उन्होंने सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर के सहयोग से 190 करोड़ रुपये के निवेश से एनआईटी त्रिची में विनिर्माण में अपनी तरह का पहला उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित किया और कई अन्य उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं।

डॉ. थॉमस ने पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण (एससीएडीए) सिस्टम, सबस्टेशन एवं वितरण स्वचालन और स्मार्ट ग्रिड के क्षेत्र में व्यापक शोध कार्य किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और प्रतिष्ठित सम्मेलनों में 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं, 17 पीएचडी का पर्यवेक्षण किया है, कई शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। उन्होंने उद्योग की भागीदारी के साथ जामिया मिल्लिया इस्लामिया में अपनी तरह की पहली स्काडा प्रयोगशाला और सबस्टेशन ऑटोमेशन (एसए) प्रयोगशाला स्थापित की है और संकाय का पहला एमटेक कार्यक्रम शुरू किया है।

डॉ. थॉमस वर्तमान में आईयूएसएसटीएफ - इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम के निदेशक मंडल में हैं और शास्त्री-इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) 2020-21 की अध्यक्ष रही हैं, वह आईईईईई पावर एंड एनर्जी सोसाइटी की 'प्रतिष्ठित व्याख्याता' हैं। डॉ. थॉमस प्रॉफेशनल सोसाइटियों में बहुत सक्रिय हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय बोर्डों और समितियों में एक दशक से अधिक का अनुभव है। डॉ. थॉमस ने विश्व भर की व्यापक यात्रा की है, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिए हैं और दुनिया भर के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बातचीत की है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया